



## ROJGAR WITH ANKIT

में किया जाता है।

संयुक्त वर्ण → क्ष, ज्ञ, श्र, ज्ञ

② — अनुस्वार का प्रयोग तत्सम शब्द में किया जाता है।

अंधा → अंध

③ श, ष, व का प्रयोग हमेशा तत्सम शब्दों में होता है।

आसाढ़ → आषाढ़  
बंदर → वानर

④ आधा वर्ण, ऋ का प्रयोग तत्सम शब्दों में किया जाता है।

अदरक → आदरक ऋषि, शृंगार

विशेष / Note :- जो शब्द बोलने में, लिखने में कठिन होते हैं, वे शब्द तत्सम (संस्कृत) के होते हैं।

तद्भव :- तत् + भव  
↓ ↓  
उससे उत्पन्न होने वाले शब्द

परिभाषा :- जो शब्द संस्कृत से थोड़ा - सा बदलाव (परिवर्तन) करके हिन्दी भाषा में प्रयोग किए जाते हैं, वे शब्द तद्भव शब्द कहलाते हैं।

पहचान :- इ, ङ, ख, स, ह, ङ सभी वर्ण तद्भव शब्दों में आते हैं।

तद्भव - चाँद, खेत, कबूतर, आग  
↓ ↓ ↓ ↓  
तत्सम - चंद्र, क्षेत्र, कपोत, अग्नि